

“बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी.2-22-छत्तीसगढ़ गजट / 38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-05-2001.”



पंजीयन क्रमांक
“छत्तीसगढ़/दुर्ग/09/2013-2015.”

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 38]

रायपुर, गुरुवार, दिनांक 31 जनवरी 2019 — माघ 11, शक 1940

उच्च शिक्षा विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, अटल नगर, रायपुर

अटल नगर, दिनांक 29 जनवरी 2019

अधिसूचना

क्रमांक एफ 3-10/2008/38-2. — छ. ग. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के पत्र क्रमांक 619/पी. यू./एस. एण्ड. ओ./2008/9106, दिनांक 02-11-2018 द्वारा मैट्स विश्वविद्यालय, गुल्लू, आरंग, जिला-रायपुर के संशोधित अध्यादेश क्रमांक 20 एवं अनुगामी अध्यादेश क्रमांक 127 से 131 का अनुमोदन छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम, 2005 की धारा 29 (2) के तहत किया गया है.

- राज्य शासन, एतद्द्वारा, उपरोक्त अध्यादेशों को राजपत्र में अधिसूचित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है.
- उपरोक्त अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावशील होंगे.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुरेन्द्र कुमार जायसवाल, सचिव.

अध्यादेशों और परिनियमों में प्रस्तावित संशोधन एवं नवीन अध्यादेश

क्रमांक	संख्या/विवरण	मौजूदा प्रावधान	प्रस्तावित परिवर्तित/ संयोजन	परिवर्तन के कारण
1.	अध्यादेश कमांक 3.1 में संशोधन	एम. एस सी आई टी अंतिम दो सेमेस्टर में अध्यथियों को प्रवेश दिया जावेगा जो आवश्यक योग्यता रखते हैं।	एम. एस सी आई टी/ सीएस. के अंतिम दो सेमेस्टर में उन अध्यथियों को प्रवेश दिया जावेगा जो आवश्यक योग्यता रखते हैं। जिन्होंने पी जी. डिप्लोमा/समतुल्य डिप्लोमा या उपाधी किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से प्राप्त की हों।	लेटरल प्रवेश प्रावधान को और स्पष्ट करने हेतु।
2.	अध्यादेश में संशोधन-20 B. A. Honours	सूचना प्रौद्योगिकी की प्रगति के साथ-साथ आज दुनिया छोटी होती जा रही है और इसमें दो कारक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं, एक अंग्रेजी भाषा और दूसरा मीडिया। इन दो संकायों में विशेषज्ञता की मांग बढ़ गई है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य ऐसे नए मीडिया रत्नों का निर्माण करना है जिनकी अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ हो और स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय होने की अच्छी समझ है।	इस अध्यादेश को कला एवं मानविकी के सभी संकायों जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, अर्थशास्त्र, संस्कृत, पाली, प्राकृत और प्राच्य अध्ययन, दर्शन, भाषा विज्ञान, इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, कला, तुलनात्मक धर्म और दर्शन, संगीत, नृत्य और चित्रकारी, पत्रकारिता और जनसंचार, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन, सामाजिक कार्य, इंटीरियर डिजाइनिंग एंड डेकोरेशन, फैशन डिजाइनिंग एंड डेकोरेशन, विदेशी भाषाओं (फ्रेंच, जर्मन, चीनी, जापानी, रशियन एवं अन्य) में स्नातक के लिए मैट्र्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में जाना जाएगा।	कला एवं मानविकी संकाय के अध्यादेश के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों को आवश्यकता के अनुसार और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिये एक छत के नीचे लाना।
3.	नया अध्यादेश-127	कोई प्रावधान नहीं	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग (पीजीडीजीसी)	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जायेगा।
4.	नया अध्यादेश-128	कोई प्रावधान नहीं	मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जायेगा।
5.	नया अध्यादेश-129	कोई प्रावधान नहीं	बैचलर ऑफ आर्ट्स एण्ड फिजिकल एजुकेशन	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जायेगा।
6.	नया अध्यादेश-130	कोई प्रावधान नहीं	मास्टर ऑफ आर्ट्स इन योगा	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जायेगा।
7.	नया अध्यादेश-131	कोई प्रावधान नहीं	मास्टर ऑफ एजुकेशन	नया पाठ्यक्रम जोड़ा जायेगा।

अध्यादेश 127

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग (पीजीडीजीसी)

- 127.1 परिचय : यह अध्यादेश मैट्स विश्वविद्यालय के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग में स्नातकोत्तर की उपाधि के के अध्यादेश के रूप में माना जाएगा जिसका संक्षिप्त नाम पीजीडीजीसी होगा।
- 127.2 शीर्षक पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग (पीजीडीजीसी)
- 127.3 संकाय कला एवं मानविकी
- 127.4 अवधि एक वर्ष या दो सेमेस्टर
- 127.5 अर्हता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक
- 127.6 सीटें बुनियादी इकाई 10 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक गुणक भी संबंधित मंडल/संबंधित नियामक प्राधिकरण/विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।
- 127.7 प्रवेश प्रक्रिया पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसिलिंग में प्रवेश उन्हें दिया जा सकेगा जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण किया है।
पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्यता अथवा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।
राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा।
- 127.8 शैक्षणिक वर्ष आमतौर पर जुलाई से जून और जनवरी से दिसंबर दो शैक्षणिक वर्ष होंगे।
- 127.9 चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय के वेबसाइट तथा अन्य प्रचार माध्यम में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा।
चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर, प्रदर्शित किया जायेगा तथा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जायेगी।
अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है वे भी आवेदन कर सकते हैं। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:
1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
 2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
 3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
 4. प्रवेश के लिये आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन एवं प्रस्तुती के पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पंजीयन क्रमांक दिया जायेगा।
- 127.10 शुल्क प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।
- 127.11 परीक्षा योजना विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।
- 127.12 पाठ्यक्रम संरचना अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।
- 127.13 सामान्य पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशंसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा।
पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिकारिता के अधीन किया जायेगा।

अध्यादेश 128

मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.)

(यह पाठ्यक्रम संबंधित नियामक इकाई से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही शुरू किया जाएगा)

- 128.1 परिचय : इस अध्यादेश को शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर की उपाधि के लिए मैट्र्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में माना जाएगा जिसका संक्षिप्त नाम मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.) होगा।
- 128.2 शीर्षक मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.एड.)
- 128.3 संकाय शारीरिक शिक्षा
- 128.4 अवधि दो वर्ष या चार सेमेस्टर
- 128.5 अर्हता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या बीपीईएस/बीपीएड से 50 प्रतिशत अंकों तक के साथ।
- 128.6 सीटें बुनियादी इकाई 60 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक गुणक भी संबंधित मंडल/संबंधित नियामक प्राधिकरण/विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।
- 128.7 प्रवेश प्रक्रिया शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश उन्हें दिया जा सकेगा जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से शारीरिक शिक्षा और खेल या बीपीईएस/बीपीएड में स्नातक उत्तीर्ण किया है। पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्यता अथवा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा। राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा।
- 128.8 शैक्षणिक वर्ष आमतौर पर जुलाई से जून और जनवरी से दिसंबर दो शैक्षणिक वर्ष होंगे।
- 128.9 चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय के वेबसाइट तथा अन्य प्रचार माध्यम में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा। चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर, प्रदर्शित किया जायेगा तथा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जायेगी। अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है वे भी आवेदन कर सकते हैं। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:
1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
 2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
 3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
 4. प्रवेश के लिये आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन एवं प्रस्तुती के पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पंजीयन क्रमांक दिया जायेगा।
- 128.10 शुल्क प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।
- 128.11 परीक्षा योजना विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।
- 128.12 पाठ्यक्रम संरचना अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।
- 128.13 सामान्य पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशंसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा। पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिकारिता के अधीन किया जायेगा।

अध्यादेश 129

3

बैचलर ऑफ आर्ट्स एण्ड बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी ए बी पी एड)

(यह पाठ्यक्रम संबंधित नियामक इकाई से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही शुरू किया जाएगा)

129.1 परिचय :

इस अध्यादेश को शारीरिक शिक्षा में स्नातक की उपाधि के लिए मैट्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में माना जाएगा जिसका संक्षिप्त नाम बैचलर ऑफ आर्ट्स एण्ड बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीएबीपीएड) होगा।

129.2 शीर्षक

बैचलर ऑफ आर्ट्स एण्ड बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी ए बी पी एड)

129.3 संकाय

शारीरिक शिक्षा

129.4 अवधि

चार वर्ष या आठ सेमेस्टर

129.5 अर्हता

किसी भी मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल से 10 + 2 उत्तीर्ण

129.6 सीटें

बुनियादी इकाई 100 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक गुणक भी संबंधित मंडल/संबंधित नियामक प्राधिकरण/विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।

129.7 प्रवेश प्रक्रिया

शारीरिक शिक्षा में स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश उन्हें दिया जा सकेगा जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक शिक्षा मंडल से 10 + 2 उत्तीर्ण किया है।

पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्यता अथवा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।

राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा।

129.8 शैक्षणिक वर्ष

आमतौर पर जुलाई से जून और जनवरी से दिसंबर दो शैक्षणिक वर्ष होंगे।

129.9 चयन प्रक्रिया

विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय के वेबसाइट तथा अन्य प्रचार माध्यम में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा।

चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर, प्रदर्शित किया जायेगा तथा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जायेगी। अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है वे भी आवेदन कर सकते हैं। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:

1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
4. प्रवेश के लिये आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।

सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन एवं प्रस्तुती के पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पंजीयन क्रमांक दिया जायेगा।

129.10 शुल्क

प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।

129.11 परीक्षा योजना

विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।

129.12 पाठ्यक्रम संरचना

अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।

129.13 सामान्य

पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशांसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा। पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिकारिता के अधीन किया जायेगा।

अध्यादेश 130

मास्टर ऑफ आर्ट्स इन योगा (एम.ए.इन योगा)

- 130.1 परिचय : इस अध्यादेश को मास्टर आफ आर्ट्स इन योगा की उपाधि के लिए मैट्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में माना जाएगा ।
- 130.2 शीर्षक मास्टर आफ आर्ट्स इन योगा
- 130.3 संकाय शारीरिक शिक्षा
- 130.4 अवधि दो वर्ष या चार सेमेस्टर
- 130.5 अर्हता किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उत्तीर्ण ।
- 130.6 सीटें बुनियादी इकाई 50 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक गुणक भी संबंधित मंडल/संबंधित नियामक प्राधिकरण/विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।
- 130.7 प्रवेश प्रक्रिया मास्टर आफ आर्ट्स इन योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश उन्हें दिया जा सकेगा जिन्होंने किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक उत्तीर्ण किया है।
- पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्यता अथवा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।
- राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा।
- 130.8 शैक्षणिक वर्ष आमतौर पर जुलाई से जून और जनवरी से दिसंबर दो शैक्षणिक वर्ष होंगे ।
- 130.9 चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय के वेबसाइट तथा अन्य प्रचार माध्यम में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा।
- चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर, प्रदर्शित किया जायेगा तथा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जायेगी।
- अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है वे भी आवेदन कर सकते हैं। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:
1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
 2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
 3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
 4. प्रवेश के लिये आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन एवं प्रस्तुती के पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पंजीयन क्रमांक दिया जायेगा।
- 130.10 शुल्क प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।
- 130.11 परीक्षा योजना विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।
- 130.12 पाठ्यक्रम संरचना अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।
- 130.13 सामान्य पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशंसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा। पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिकारिता के अधीन किया जायेगा।

अध्यादेश 131

मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)

(यह पाठ्यक्रम संबंधित नियामक इकाई से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही शुरू किया जाएगा)

- 131.1 परिचय : इस अध्यादेश को शिक्षा में स्नातकोत्तर की उपाधि के लिए मैट्र्स विश्वविद्यालय के अध्यादेश के रूप में माना जाएगा जिसका संक्षिप्त नाम मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.) होगा।
- 131.2 शीर्षक मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम.एड.)
- 131.3 संकाय शिक्षा
- 131.4 अवधि दो वर्ष या चार सेमेस्टर
- 131.5 अर्हता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ एजुकेशन में स्नातक
- 131.6 सीटें बुनियादी इकाई 50 सीटों की होगी। इस इकाई के एकाधिक गुणक भी संबंधित मंडल/संबंधित नियामक प्राधिकरण/विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित किये जा सकते हैं।
- 131.7 प्रवेश प्रक्रिया शिक्षा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश उन्हें दिया जा सकेगा जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ एजुकेशन में स्नातक उत्तीर्ण किया है।
पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रवीण्यता अथवा प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाएगा।
राज्य सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा।
- 131.8 शैक्षणिक वर्ष आमतौर पर जुलाई से जून और जनवरी से दिसंबर दो शैक्षणिक वर्ष होंगे।
- 131.9 चयन प्रक्रिया विश्वविद्यालय, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारंभ के पूर्व, समाचार पत्रों में, विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय के वेबसाइट तथा अन्य प्रचार माध्यम में प्रवेश अधिसूचना जारी करेगा।
चयनित अभ्यर्थी की सूची, वेबसाइट पर, प्रदर्शित किया जायेगा तथा विद्यार्थियों को उनके प्रवेश के बारे में सीधे सूचित किया जायेगा। विश्वविद्यालय में चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रदर्शित की जायेगी।
अभ्यर्थी जिसका परीक्षा परिणाम प्रतीक्षाधीन है वे भी आवेदन कर सकते हैं। तथापि ऐसे अभ्यर्थी को अपेक्षित पात्रता मापदण्ड के लिये प्रमाण के रूप में मार्कशीट या डिग्री प्रमाणपत्र, अंतिम तारीख (कट ऑफ डेट) के पूर्व प्रस्तुत करना होगा यदि ऐसा करने में असफल होने पर, दिया गया अनंतिम प्रवेश रद्द कर दिया जायेगा। प्रवेश निम्नलिखित किन्हीं कारणों से निरस्त किया जा सकता है:
1. आवेदन पत्र अपूर्ण है।
 2. देय तिथि पर फीस का भुगतान नहीं किया गया है।
 3. प्रवेश के लिये अपेक्षित समर्थित दस्तावेज संलग्न नहीं किया गया हो।
 4. प्रवेश के लिये आवेदन पत्र में गलत जानकारी दी गई हो।
- सभी आवश्यक दस्तावेजों और फीस के सत्यापन एवं प्रस्तुती के पश्चात् विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पंजीयन क्रमांक दिया जायेगा।
- 131.10 शुल्क प्रबंधन मंडल द्वारा तय की जाएगी एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर द्वारा समय-समय पर यथा विनिश्चित।
- 131.11 परीक्षा योजना विश्वविद्यालय परीक्षा अध्यादेश 29 के प्रावधानों के अनुसार।
- 131.12 पाठ्यक्रम संरचना अध्ययन मंडल द्वारा निर्मित एवं एकेडमिक काउंसिल द्वारा अनुमोदित।
- 131.13 सामान्य पाठ्यक्रम से संबंधित समस्त विषयों में विश्वविद्यालय के कुलपति का विनिश्चय अंतिम होगा। तथापि विद्या परिषद की अनुशंसा पर कुलपति, परीक्षा प्रणाली या स्वरूप में परिवर्तन करने हेतु सक्षम होगा।
पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु समय-समय पर परिवर्तन के अधीन होगा। किसी विवाद की दशा में, मामलों का विनिश्चय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के अधिकारिता के अधीन किया जायेगा।

Atal Nagar, the 29th January 2019

NOTIFICATION

No. F 3-10/2008/38-2. — Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission, Raipur vide its Letter No. 619/PU/S&O/2008/9106, Dated 02-11-2018 has approved the amendment of Ordinance No. 20 and the New Ordinances No. 127 to 131 of Mats University, Gullu, Aarang, District-Raipur, Under Section 29 (2) of Chhattisgarh Private Universities (Establishment & Operation) Act, 2005.

2. The State Government hereby gives its approval for notification of Ordinances in Official Gazette.
3. The above Ordinances shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
SURENDRA KUMAR JAISWAL, Secretary.

PROPOSED AMENDMENTS & ADDITIONS IN THE ORDINANCES AND STATUTES

SN	Number / Matter	Existing Provision	Proposed Change / Addition	Reason for Change
1	Amendment in Ordinance – 3.1	Lateral entry will also be given in M. Sc. IT/CS programs in the last two semesters provided the candidate fulfills all the required qualifications	Lateral entry shall also be given in M. Sc. IT/CS programs in the last two semesters provided the candidate has passed Post Graduation Diploma or equivalent Diploma or Degree from a recognized University	To make the proposed eligibility for lateral admission more clear
2	Amendment in Ordinance – 20 B. A. Honours	Today's World is becoming smaller with the advancement of Information Technology and the major role is played in it by two factors first the English Language and second the Media. The demand for expertise in these two faculties is on the rise and shall go on increasing. This course aims at producing new media gems who exercise good command over English language and have better understanding of the local, regional, national and international incidences.	This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Bachelor of Arts in all streams that come under Arts & Humanities like English, Hindi, Economics, Sanskrit, Pali, Prakrit and Oriental Studies, Philosophy, Linguistics, History, Geography, Sociology, Psychology, Comparative Religion and Philosophy, Fine Arts including Music, Dance and Painting, Journalism and Mass Communication, Political Science and Public Administration, Social Work, Interior Design & Decoration, Fashion Design and Decoration, Foreign Languages (French, German, Chinese, Japanese, Russian) and others	To make it more relevant as per the requirement and addition of different courses with a view to bring them under one umbrella ordinance for Arts & Humanities.
3	New Ordinance-127	No Provision	PG Diploma in Guidance & Counselling	New Course to be added
4	New Ordinance-128	No Provision	Master of Physical Education	New Course to be added
5	New Ordinance-129	No Provision	Bachelor of Arts & Bachelor of Physical Education	New Course to be added
6	New Ordinance-130	No Provision	Master of Arts in Yoga	New Course to be added
7	New Ordinance-131	No Provision	Master of Education	New Course to be added

ORDINANCE - 127**Post Graduate Diploma in Guidance and Counselling (PGDGC)**

- 127.1 Introduction: This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Post Graduate Diploma in Guidance and Counselling abbreviated as PGDGC.
- 127.2 Title: Post Graduate Diploma in Guidance and Counseling - PGDGC.
- 127.3 Faculty: Arts & Humanities
- 127.4 Duration: One year or two semesters.
- 127.5 Eligibility: Any Graduate from a recognized University.
- 127.6 Seats: Basic unit shall be of 10 seats. Multiples of this unit can also be set up by the concerned Board / Concerned Regulatory Authority / University.
- 127.7 Admission Procedure: Admission to Post Graduate Diploma in Guidance and Counselling course shall be open to those who have passed graduation in any discipline from a recognized University. Admission shall be granted on the basis of Merit/Entrance Examination. Reservation policy of the state government shall be adhered to.
- 127.8 Academic year: There shall be two academic years, one is generally from July to June and the other is from January to December.
- 127.9 Selection Procedure: The University shall issue admission notification in news papers, University Notice Board etc., University website and in other means of publicity like T.V. and Radio before the commencement of every academic year.
- The list of selected candidates shall be displayed on the University website, on the notice board and the student shall be informed directly about their admission.
- The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates, however, must produce the Mark sheet/ Degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted shall be cancelled.
- The admission may be rejected due to any of the following reasons.
1. The application form is incomplete in anyways.
 2. The fees is not paid by the due date
 3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
 4. Wrong information if provided in the application form for admission.
- Registration number shall be assigned to the student by the university after verification and submission of all necessary documents and fees.
- 127.10 Fee: The Course fees shall be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.
- 127.11 Examination Scheme: As per university examination ordinance No 29.
- 127.12 Course Structure: As framed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- 127.13 General: In all matters, pertaining to the courses, decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor shall be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE - 128**Master of Physical Education (M. P. Ed.)****(The Course shall be started only after obtaining approval from concerned Regulatory Authority)**

- 128.1 Introduction: This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Master of Physical Education abbreviated as M. P. Ed.
- 128.2 Title: Master of Physical Education - M. P. Ed.
- 128.3 Faculty: Physical Education
- 128.4 Duration: Two years or four semesters.
- 128.5 Eligibility: Any Graduate with 50% marks from a recognized University in BPES / B. P. Ed.
- 128.6 Seats: Basic unit shall be of 50 seats. Multiples of this unit can also be set up by the concerned Board / Concerned Regulatory Authority / University.
- 128.7 Admission Procedure: Admission to Master in Physical Education course shall be open to those who have passed graduation in Physical Education or BPES/B. P. Ed i.e. Bachelor of Physical Education and Sports/Bachelor of Physical Education from a recognized University. Admission shall be granted on the basis of Merit/Entrance Examination. Reservation policy of the state government shall be adhered to.
- 128.8 Academic year: There shall be two academic years, one is generally from July to June and the other is from January to December.
- 128.9 Selection Procedure: The University shall issue admission notification in news papers, University Notice Board etc., University website and in other means of publicity like T.V. and Radio before the start of every academic year.
- The list of selected candidates shall be displayed on the University website, on the notice board and the student shall be informed directly about their admission.
- The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted shall be cancelled.
- The admission may be rejected due to any of the following reasons.
1. The application form is incomplete in anyways.
 2. The fees is not paid by the due date
 3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
 4. Wrong information if provided in the application form for admission.
- Registration number shall be assigned to the student by the university after verification and submission of all necessary documents and fees.
- 128.10 Fee: The Course fees shall be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.
- 128.11 Examination Scheme: As per university examination ordinance No 29.
- 128.12 Course Structure: As framed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- 128.13 General: In all matters, pertaining to the courses, decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor shall be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE - 129**Bachelor of Arts & Bachelor of Physical Education (B.A. B. P. Ed.)****(The Course shall be started only after obtaining approval from concerned Regulatory Authority)**

- 129.1 Introduction: This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Bachelor of Physical Education Integrated.
- 129.2 Title: Bachelor of Arts & Bachelor of Physical Education Integrated – B.A. B. P. Ed.
- 129.3 Faculty: Physical Education
- 129.4 Duration: Four years or eight semesters.
- 129.5 Eligibility: Passed 10+2 from any recognized Board of Higher Secondary Education.
- 129.6 Seats: Basic unit shall be of 100 seats. Multiples of this unit can also be set up by the concerned Board / Concerned Regulatory Authority / University.
- 129.7 Admission Procedure: Admission to Bachelor of Physical Education Integrated course shall be open to those who have passed 10+2 from a recognized Board of Higher Secondary Education. Admission shall be granted on the basis of Merit/Entrance Examination. Reservation policy of the state government shall be adhered to.
- 129.8 Academic year: There shall be two academic years, one is generally from July to June and the other is from January to December.
- 129.9 Selection Procedure: The University shall issue admission notification in news papers, University Notice Board etc., University website and in other means of publicity like T.V. and Radio before the start of every academic year.
- The list of selected candidates shall be displayed on the University website, on the notice board and the student shall be informed directly about their admission.
- The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted shall be cancelled.
- The admission may be rejected due to any of the following reasons.
1. The application form is incomplete in anyways.
 2. The fees is not paid by the due date
 3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
 4. Wrong information if provided in the application form for admission.
- Registration number shall be assigned to the student by the university after verification and submission of all necessary documents and fees.
- 129.10 Fee: The Course fees shall be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.
- 129.11 Examination Scheme: As per university examination ordinance No 29.
- 129.12 Course Structure: As framed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- 129.13 General: In all matters, pertaining to the courses, decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor shall be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE - 130**Master of Arts in Yoga (M. A. in Yoga)**

- 130.1 Introduction: This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Master of Arts in Yoga.
- 130.2 Title: Master of Arts in Yoga
- 130.3 Faculty: Physical Education
- 130.4 Duration: Two years or four semesters.
- 130.5 Eligibility: Passed graduation in any subject with minimum 50% marks from a recognized University.
- 130.6 Seats: Basic unit shall be of 50 seats. Multiples of this unit can also be set up by the concerned Board / Concerned Regulatory Authority / University.
- 130.7 Admission Procedure: Admission to Master of Arts in Yoga course shall be open to those who have passed graduation in any subject with minimum 50% marks from a recognized University. Admission shall be granted on the basis of Merit/Entrance Examination. Reservation policy of the state government shall be adhered to.
- 130.8 Academic year: There shall be two academic years, one is generally from July to June and the other is from January to December.
- 130.9 Selection Procedure: The University shall issue admission notification in news papers, University Notice Board etc., University website and in other means of publicity like T.V. and Radio before the start of every academic year.
- The list of selected candidates shall be displayed on the University website, on the notice board and the student shall be informed directly about their admission.
- The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted shall be cancelled.
- The admission may be rejected due to any of the following reasons.
1. The application form is incomplete in anyways.
 2. The fees is not paid by the due date
 3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
 4. Wrong information if provided in the application form for admission.
- Registration number shall be assigned to the student by the university after verification and submission of all necessary documents and fees.
- 130.10 Fee: The Course fees shall be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.
- 130.11 Examination Scheme: As per university examination ordinance No 29.
- 130.12 Course Structure: As framed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- 130.13 General: In all matters, pertaining to the courses, decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor shall be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.

ORDINANCE - 131**Master of Education (M. Ed.)**

(The Course shall be started only after obtaining approval from concerned Regulatory Authority)

- 131.1 Introduction: This Ordinance shall be known as MATS University Ordinance for Master of Education abbreviated as M. Ed.
- 131.2 Title: Master of Education - M. Ed.
- 131.3 Faculty: Education
- 131.4 Duration: Two years or four semesters.
- 131.5 Eligibility: Passed Bachelor of Education with minimum 50% marks from a recognized University.
- 131.6 Seats: Basic unit shall be of 50 seats. Multiples of this unit can also be set up by the concerned Board / Concerned Regulatory Authority / University.
- 131.7 Admission Procedure: Admission to Master of Education course shall be open to those who have passed Bachelor of Education with minimum 50% marks from a recognized University. Admission shall be granted on the basis of Merit/Entrance Examination. Reservation policy of the state government shall be adhered to.
- 131.8 Academic year: There shall be two academic years, one is generally from July to June and the other is from January to December.
- 131.9 Selection Procedure: The University shall issue admission notification in news papers, University Notice Board etc., University website and in other means of publicity like T.V. and Radio before the start of every academic year.
- The list of selected candidates shall be displayed on the University website, on the notice board and the student shall be informed directly about their admission.
- The candidates whose results are awaited can also apply. Such candidates however must produce the Mark sheet/ Degree certificate as a proof for required eligibility criteria before the cutoff date failing which, the provisional admission granted shall be cancelled.
- The admission may be rejected due to any of the following reasons.
1. The application form is incomplete in anyways.
 2. The fees is not paid by the due date
 3. The supporting documents required for admission are not enclosed.
 4. Wrong information if provided in the application form for admission.
- Registration number shall be assigned to the student by the university after verification and submission of all necessary documents and fees.
- 131.10 Fee: The Course fees shall be as decided by the Board of Management and approved by Chhattisgarh Private University Regulatory Commission, Raipur from time to time.
- 131.11 Examination Scheme: As per university examination ordinance No 29.
- 131.12 Course Structure: As framed by the Board of Studies and approved by the Academic Council.
- 131.13 General: In all matters, pertaining to the courses, decision of the Vice Chancellor of the University shall be final. However, on the recommendation of the Academic Council the Vice Chancellor shall be competent to change the system/pattern of Examination. In case of any dispute, the matter shall be decided under the jurisdiction of the High Court of Chhattisgarh.